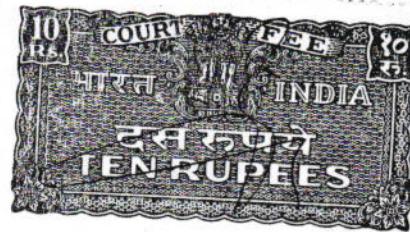


समक्ष:- माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश गवर्नर ॥ म०प्र०॥



रामाधार तनय बल्देव राम ब्रा० निवासी ग्राम बागडू छास तह० रामपुर  
जिला सीधी म०प्र० ----- अपीलान्ट

बनाम

इन्द्रजीत तनय लोकनाथ तिवारी सा० बागडू छास तह० रामपुर नैकिन चि  
सीधी म०प्र० ----- रेस्पांट

अपील विष्व आदेश न्यायालय श्रीमान् अपर  
आयुक्त महोदय रीवा संभाग रीवा म०प्र०  
प्र०क० ६०।/ अपील / २०००-२००। आदेश  
५०७० २००।

अपील अन्तर्गत धारा ४४१२४ म०प्र० भ०रा०  
१९५७ई०

मान्यवर,

आधार अपील निम्न हैः-

- 1- यह कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेश विरिध एवं प्रक्रिया  
विष्व होने से निरस्त किए जाने योग्य हैं।
- 2- यह कि अधीनस्थ न्यायालय द्वारा प्रथम अपीलीय न्यायालय के प्रक  
को मगवाए बिना ही धारा ५ म्याद अधिनियम का आवेदन पत्र निरस्त  
में महान विरिध भूल की है। क्योंकि यदि प्रथम अपीलीय न्यायालय के प्र

A 1939-I/01 शादी  
रामाधा॒र / दैनुजीत

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं भाषकों आदि के हस्ताक्षर
14-6-16 १ बजे	आवेदक शब आवेदक ओङ्ग उपस्थित जड़ी/ अनां ली और श्रे णी उपस्थित जड़ी/ आवाज उबाट लगवाइ गई/ प्रकाश १२ बजे शुरू जोबा	सुदृश्य
१२.३० बजे	आवेदक शब आवेदक ओङ्ग。 ज्ञाई उप. जड़ी/ अनां ली और लै णी उप. जड़ी/ आवाज लगवाइ गई/ प्रकाश १ बजे शुरू जोबा	सुदृश्य
14-6-16 १ बजे.	आवेदक शब आवेदक ओङ्गभाषण उपस्थित जड़ी/ अनावेदक ली और श्रे णी उपस्थित जड़ी/ तीस आवाज लगवाइ गई/ ज्ञाई उपस्थित जड़ी/ प्रतीक देता है कि आवेदक लो प्रकाश घलाने में कमि जड़ी है/ कमि स्थान में प्रकाश समाप्त किया जाता	✓ सुदृश्य